To

All Ministries/Departments of Govt. of India

Copy to

1. Department of Public Enterprises, New Delhi. . .
2. Ministry of Finance (Banking & Insurance Divisions) New Delhi.

. It is requested that similar instructions may be issued in respect of public sector undertakings, public sector banks and insurance corporations.

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए अपर्याप्त निधियां

3731. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या कल्याण मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय बजट में शीर्ष 79 के अधीन अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी योजनाओं के लिए 645 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, यदि हां, तो अन्य पिछड़े वर्गों के लिए कितने अतिरिक्त धन के प्रावधान का प्रस्ताव है;

(ख) केन्द्रीय सरकार को आरक्षण के अतिरिक्त होस्टलों, छात्रवृत्तियों, विशेष व्यावसायिक प्रशिक्षण और विशेष कोचिंग कक्षाओं के आयोजन जैसी अन्य सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु चालू वर्ष में कितने अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी;

(ग) मण्डल आयोग की सिफारिशों के अनुसार पिछड़े वर्गों के लोगों के लिए उनके व्यापार चलाने हेतु ब्याज मुक्त पूंजी या रियायती दरों पर निधियां उपलब्ध कराने के लिए चालू वित्तीय वर्ष के दौरान केन्द्रीय सरकार द्वारा कितना-कितना अतिरिक्त धन का प्रावधान किए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) क्या यह सच है कि मंडल आयोग की सिफारिशों में एक सिफारिश यह है कि भूमि की चकबंदी करने के पश्चात जो फालतू भूमि बचेगी उसे भूमिहीनों में वितरित कर दिया जाएगा और यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या ठोस कदम उठाए गए हैं ?

श्रम एवं कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) कल्याण मंत्रालय के लिए शीर्ष-79 के अंतर्गत, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों, विकलांगों तथा समाज, रक्षा आदि हेतु केन्द्रीय बजट में प्रावधान किया गया है। अन्य पिछड़े वर्गों हेतु कोई अतिरिक्त निधियां नहीं मांगी गई हैं।

(ख) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अतिरिक्त निधियों के लिए कोई प्राक्कलन तैयार नहीं किए गए हैं।

(ग) प्रथम चरण में भारत सरकार तथा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की सेवाओं में पिछड़े वर्गों को 27% आरक्षण देने के लिए अब तक लिए गए निर्णय में कोई निधियां अपेक्षित नहीं हैं।

(घ) जी, हां। राज्य सरकारें, इस संबंध में उपाय करती आई हैं और कर रही हैं।

तोड़-फोड़ के कारण रेलवे को हुई क्षति

@3731-क. **श्री शंकर दयाल सिंह** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो महीनों के दौरान देश के विभिन्न भागों में तोड़-फोड़ के कारण रेलवे को कितनी अनुमानित क्षति हुई है;

@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 3283 6 सितम्बर, 1990 से स्थानान्तरित।